दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3845 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-2 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस दिन मन का अहंकार कम हो जाता है, उसी दिन जीवन में रिश्तों की मिठास बढ़ जाती है। क्योंकि अहंकार दीवारें बनाता है और विनम्रता पुल। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

पटना । नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह में PM नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे।डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा (र) से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो० जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ० दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ० प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं।

संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को हराया था।

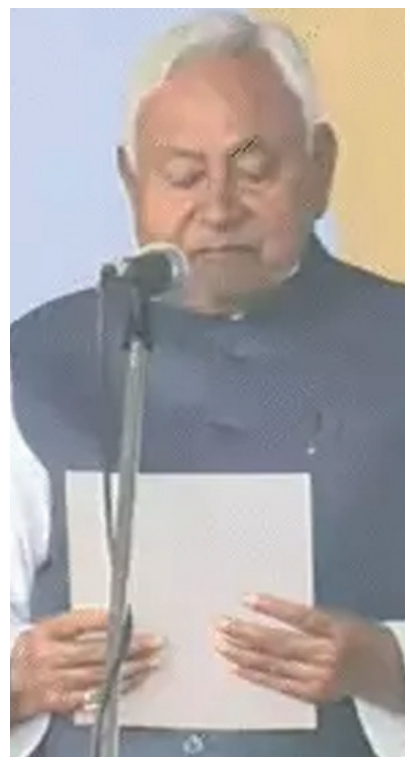

बीकानेर: वार्ड 21 की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी के विरोध में कलेक्टर कार्यालय पर ज़ोरदार प्रदर्शन, रविवार तक का अल्टीमेटम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के वार्ड नंबर 21 बंगला नगर के निवासियों ने आज वार्ड की गंभीर जन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ज़िला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष बड़ा धरना प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के वार्ड अध्यक्ष बिलाल अहमद खिलजी के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

मुख्य मांगें: सड़क, सीवर और पेयजल का अभाव

स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के शहर जिला अध्यक्ष हसन अली गोरी ने धरने के संबंध में बताया कि वार्ड नंबर 21 में मूलभूत सुविधाओं की घोर अनदेखी की जा रही है। उन्होंने ज़िला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में निम्नलिखित प्रमुख समस्याओं को उजागर किया: सड़क निर्माण: वार्ड में या तो सड़कों का पूर्ण अभाव है या मौजूदा सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। सीवर लाइन: सीवर लाइन का जुड़ाव अभी तक नहीं हो पाया है। पेयजल आपूर्ति: पीने के पानी की पाइपलाइन का जुड़ाव न होने से नागरिक परेशान हैं। साफ-सफाई: क्षेत्र में नियमित और पर्याप्त साफ-सफाई व्यवस्था का गंभीर अभाव है।

दिग्गज नेताओं ने दिया समर्थन

प्रदर्शनकारियों की मांगों का समर्थन करने के लिए स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता धरने में शामिल हुए। प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में पूर्व महापौर मकसूद अहमद, नितिन वत्सस, राहुल जादू संगत, इशाक अली एडवोकेट, उपेन्द्र श्रीमाली, हरिकिशन जाट, इमरान सैयद, अयूब अली, चंद्रशेखर चांवरिया, कामराज गोयल एवं अन्य कई साथी शामिल थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि हज़ारों साथी महिलाएं और वार्ड के नागरिक भी बड़ी संख्या में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए जो समस्याओं की गंभीरता को दर्शाता है। रविवार तक कार्रवाई नहीं तो सोमवार को 'ज़ोरदार प्रदर्शन' धरना स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का रविवार 23 तारीख तक का आश्वासन दिया है। इस आश्वासन पर प्रतिक्रिया देते हुए हसन अली गोरी ने कड़ी चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, 'यदि रविवार तक हमारी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो सोमवार 24 तारीख को वार्ड के सभी साथी और नागरिक फिर से ज़ोरदार प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ' यह प्रदर्शन स्थानीय प्रशासन पर इन आवश्यक नागरिक सुविधाओं को तुरंत बहाल करने का दबाव बनाता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण:प्रतिदिन 200 वोटरों का टारगेट, 18 घंटे में भी पूरा नही हो पा रहा, तनाव में कर्मचारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में 52,490 बीएलओ 5.48 लाख मतदाताओं से जुड़ा विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक बीएलओ ने सुसाइड किया है और परिजनों ने आरोप लगाया है कि एसआईआर के कामकाज में दबाव के चलते ऐसा हुआ है। उधर सवाईमाधोपुर में भी बीएलओ की मौत के मामले में परिजनों ने तहसीलदार के खिलाफ दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। इस मामले में बीएलओ ने सिस्टम के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इस मामले में बीएलओ से बात की गई तो उनका कहना है कि टारगेट के दबाव से लगातार मानसिक तनाव बढ़ रहा है।

प्रदेश में ईआरओ ने बीएलओ को प्रतिदिन 200-200 वोटरों के घर जाने, फॉर्म भरवाने, इसके बाद डिजिटाइज यानी ऑनलाइन जानकारी अपलोड करने के काम में लगाया हुआ है। ऐसे में हालात यह हैं कि बीएलओ लगातार 18-18 घंटे काम कर रहे हैं। इस काम का तनाव और तब बढ़ रहा है जब सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक दो या ढाई घंटे के अंतराल में खुद द्वारा किए गए कामकाज की रिपोर्ट देनी पड़ रही है।

17 CCA का नोटिस और निलंबन की प्रताड़ना भी

सुबह 10 बजे, दोपहर 12 बजे, दोपहर 2 बजे, शाम 4 बजे से लेकर रात 10 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्ट या अपडेट करने का दबाव भी है। ऐसे में ईआरओ, जो कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अफसर हैं, लगातार अपडेट करने का दबाव और लापरवाही करने पर 17 CCA का नोटिस देने से लेकर निलंबन कराने की चेतावनी देते हुए दिखाई दे रहे हैं। वोटरों को अवेयर करना होगा। ये बीएलओ को पूरा सहयोग करें। बीएलओ को फॉर्म भरकर देने के लिए चक्कर नहीं लगवाएं। बीएलओ में अधिकांश शिक्षक हैं, ऐसे में स्कूल संबंधी दबाव भी इन पर है। भविष्य में इन पर दबाव नहीं पड़े, इस दिशा में आश्वस्त किया जाए। वरना रोज स्कूलों से भी प्राचार्यों के फोन इनके पास आ रहे हैं।

बीएलओ के सामने हर दिन नई समस्याएं

बीएलओ को 18-18 घंटे काम के बाद भी टारगेट पूरे नहीं हो रहे हैं। ऐसे में 100 में से 60' ही टारगेट पूरे हो पाते हैं। विधानसभावार रैंकिंग की लड़ाई से निजात मिलनी चाहिए। नए बीएलओ को भौगोलिक स्थिति का ज्ञान नहीं है। इससे काम पर असर पड़ रहा है। उधर ईआरओ हर दो घंटे में वाट्सऐप पर दबाव बना रहे हैं। फिमेल के माता-पिता से लेकर दादा-दादी तक की जानकारी लेना बड़ी चुनौती बनी हुई है।आमजन को जागरूक नहीं किया गया। ऐसे में फॉर्म भरकर देने के लिए बीएलओ को घरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। महिलाओं को बेहद परेशानी आ रही है, क्योंकि छोटे बच्चे और परिवार को भी इन्हें ही देखना होता है। गांवों में बिजली व इंटरनेट तक की समस्या बनी हुई है। इससे डिजिटलाइजेशन मुश्किल हो रहा है।

विद्युत विभाग में नवीकरणीय ऊर्जा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर के संबंध में विद्युत विभाग झुंझुनू में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। विद्युत विभाग के प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा एवं मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) सुरेश नागरानी के निर्देशों पर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एनपीटीआई शिवपुरी द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में झुंझुनू जिले के 40 सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा तकनीशियनों ने भाग लिया। विद्युत विभाग की सहायक अभियंता (प्रशिक्षण) निशा हिरणवाल ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता लक्ष्मण सिंह व एनपीटीआई शिवपुरी के निदेशक सी. भट्टाचार्य ने किया। मुख्य अभियंता लक्ष्मण सिंह ने प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में संबोधित करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को देश का भविष्य बताया तथा कहा कि एनपीटीआई शिवपुरी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोत्साहन हेतु मील का पत्थर साबित होगा और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रोत्साहित किया। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता श्रवण अग्रवाल ने प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में संबोधित करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को उपभोक्ताओं के लिए लाभदायक बताया तथा उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वह अपने घरों पर रूफटॉप सोलर लगवाएं ताकि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दी जा रहीं सब्सिडी का लाभ उठाकर सस्ती एवं सुलभ विद्युत प्राप्त की जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों सहायक निदेशक आर. कृष्णम एनपीटीआई शिवपुरी, सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता बिहारी लाल गुप्ता, अधिशासी अभियंता कमलदीप तुली आदि ने व्याख्यान दिए। उल्लेखनीय है कि विद्युत विभाग द्वारा नवाचार करते हुए एनपीटीआई के सभी व्याख्याताओं को सम्मानित किया तथा हार्दिक आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ता (प्रशिक्षण) निशा हिरणवाल, कार्मिक अधिकारी झुंझुनू जाहिद हुसैन, सज्जन सैनी, रघुवीर आदि ने किया

टोहाना के बजरंग मॉडल स्कूल की प्रिया ने रेस में जीता गोल्ड मेडल-डायरेक्टर विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा । प्रथम वीरांगना कप दौड़ प्रतियोगिता 2025 - 26 जोकि महाराणा प्रताप स्टेडियम गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित किया। जिसमें हिसार, हांसी, भिवानी और फतेहाबाद के प्राइवेट और सरकारी स्कूलों की लगभग एक हजार लड़कियों ने दौड़ में हिस्सा लिया।जिसमें से बजरंग मॉडल स्कूल टोहाना के विद्यार्थियों ने भी जिला फतेहाबाद का प्रतिनिधित्व किया। बजरंग मॉडल स्कूल की पांचवी कक्षा की विद्यार्थी प्रिया ने 50 मीटर रेस में गोल्ड मेडल प्राप्त किया । प्रथम वीरांगना कप दौड़ प्रतियोगिता के निर्देशक तथा सूरज सेवा फाउंडेशन के डायरेक्टर हरीश सिराधना ने बजरंग मॉडल स्कूल के निदेशक विनय वर्मा, बॉक्सिंग कोच ज्योति वर्मा व अध्यापिका प्रिंसी तथा खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया और गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर बधाई दी। प्रिया को गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

जयपुर में श्मशान घाट के बाहर मिली नवजात बच्ची:कपड़े में लपेट कर था फेंका, 10 दिन पहले हुआ था जन्म

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर में चांदपोल श्मशान घाट के बाहर गुरुवार दोपहर एक नवजात बच्ची के मिलने से सनसनी फैल गई। कपड़े में लपेट कर नवजात को विश्राम स्थली के पीछे फेंका गया था। नवजात बच्ची का जन्म महज 10 दिन पहले हुआ है। बनीपार्क थाना पुलिस ने बच्ची को जेके लोन हॉस्पिटल में डॉक्टर्स की निगरानी में रखवाया है। ट्रैफिक टीआई कविता शर्मा ने बताया- चांदपोल श्मशान घाट के बाहर गुरुवार दोपहर करीब 2:45 बजे एक नवजात बच्ची मिली है। ड्यूटी के दौरान नवजात बच्ची की सूचना मिलने पर वह चांदपोल श्मशान घाट पहुंची। श्मशान घाट के बाहर विश्राम स्थली के पीछे नवजात बच्ची रोते हुए मिली। उसे कपड़े में बांधकर विश्राम स्थली के पीछे फेंका गया था। स्वस्थ हालत में मिली नवजात को उठाकर संभाला गया। इसके साथ ही बनीपार्क थाना पुलिस की चेतक को बुलाया गया। बनीपार्क थाना पुलिस के हवाले कर नवजात को जेके लोन हॉस्पिटल में डॉक्टर्स की निगरानी के लिए भिजवाया गया।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर कविता का कहना है कि प्रथमदृष्टया नवजात का जन्म महज 10 दिन पहले होना प्रतीत होता है। उसका जन्म किसी हॉस्पिटल में हुआ है, उसकी नाल पर क्लिप लगी हुई मिली है। जिस हालत में बच्ची मिली है, लगता है वह भूखी थी। उसे कुछ ही देर पहले अनजान परिजनों ने विश्राम स्थली के पीछे छोड़ा है। पुलिस वारदात स्थल के आस-पास लगे CCTV फुटेज को खंगाल रही है।

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मयार्दा और न्यायिक संयम की मिसाल

नीरज कुमार दुबे

19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती।

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संतुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय-सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार-क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।

न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार-बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना (legislative overruling) के रूप में व्याख्यायित की गई अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मयार्दा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा-शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण (Separation of

Powers) और न्यायिक स्वतंत्रता (Judicial Independence) के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया। न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न था क्या राज्यपाल या राष्ट्रपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय-सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्ट्रपति पर कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि "Deemed Assent" अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिर्णय की देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा।

इस फैसले से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली यह कि न्यायालय ने स्वयं पर अंकुश लगाते हुए साफ किया कि कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों में दखल की सीमा तय है। दूसरी बात यह है कि राज्यपालों की ओर से बिलों को महीनों तक रोककर रखने की आलोचना को भी न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और समाधान के रूप में सीमित न्यायिक समीक्षा का दरवाजा खुला रखा है। यह संतुलन स्थापित करना आसान नहीं था। एक ओर राज्यों विशेषकर तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पि म बंगाल ने तर्क दिया कि राज्यपालों द्वारा बिलों को रोकना लोकतंत्र-विरोधी है। दूसरी ओर, केंद्र ने कहा कि अदालतें समय-सीमा तय करके कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकतीं। अंततः न्यायालय ने वही रास्ता चुना जो भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप है यानि संविधान ने समय-सीमा नहीं तय की है, इसलिए अदालत भी इसे तय नहीं करेगी।

इन दोनों फैसलों में न्यायालय का स्वर पूरी तरह एक जैसा नहीं है। एक तरफ उसने संसद को तीखी चेतावनी दी, दूसरी तरफ उसने खुद अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। यही दोहरी भूमिका भारतीय लोकतंत्र को संतुलित बनाती है। न्यायालय संदेश दे रहा है कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का आघात बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन संविधान में जो अधिकार अन्य अंगों को दिए गए हैं, उन पर न्यायपालिका कब्जा नहीं करेगी।

इन फैसलों की समय-सीमा भी रोचक है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती है विशेषकर केंद्र राज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में।

बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी है न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्ट्रपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय-सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लोकतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक-दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मकान दीवारों से बनता है, घर रिश्तों से

मनुष्य का जीवन केवल भोजन, वस्त्र और आश्रय जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से संचालित नहीं होता, बल्कि भावनाओं, संबंधों और आत्मिक जुड़ावों से भी संचालित होता है। इन्हीं आवश्यकताओं में से एक है–मकान, जो इंसान को प्रकृति की मार से बचाता है और सुरक्षित रखता है। लेकिन क्या सिर्फ चार दीवारों का होना जीवन को संपूर्ण कर देता है? क्या मजबूत छत और खूबसूरत खिड़कियाँ हमें संतोष और सुख दे सकती हैं? ये प्रश्न हमें उस गहरे अंतर की ओर ले जाते हैं जो एक मकान और घर के बीच मौजूद है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। मकान मूल रूप से एक भौतिक संरचना है–ईंट, गारा, लोहे और कंक्रीट का मेल। यह इंजीनियरिंग के सिद्धांतों, नक्शों, माप-तौल और निर्माण की तकनीकों से बनता है। इसमें मजबूती, उपयोगिता और सुविधा पर ध्यान दिया जाता है। मकान आपको सुरक्षा देता है, मौसम से बचाता है, और भौतिक रूप से एक आश्रय प्रदान करता है। इस दृष्टि से देखें तो यह बिल्कुल आवश्यक है, लेकिन अभी भी अधूरा है।

क्योंकि मकान सिर्फ स्थान है, जीवन नहीं। जब तक उस मकान में इंसानों की उपस्थिति, उनके दिलों की धड़कनें, उनकी खुशियाँ, उनकी जिम्मेदारियाँ और उनका अपनापन नहीं जुड़ेगा, तब तक वह मात्र एक खाली ढांचा है। इसी ढांचे में जब कोई परिवार प्रवेश करता है, उसे सजाता-सँवारता है, उसमें अपनी हँसी, संघर्ष, प्रेम और यादें बुनता है, तब वह ढांचा 'घर' कहलाने लगता है। घर किसी इंजीनियर या ठेकेदार के प्लान से नहीं बनता–वह बनता है परिवार के उन अदृश्य धागों से, जो एक-दूसरे को बाँधकर रखते हैं।

घर वह जगह है जहाँ आपके लौटने का इंतजार होता है,

मकान वह जगह है जहां आप केवल रहते हैं। घर की असली बुनियाद विश्वास है–विश्वास कि हम एक-दूसरे के साथ हैं। घर प्रेम से पल्लवित होता है–प्रेम जो शब्दों से अधिक मौन में बोलता है। घर सहानुभूति से टिकता है–सहानुभूति कि हर सदस्य दूसरे के दुख-सुख में उसके साथ खड़ा है। यह भावनाओं की छोटी-छोटी बूंदें मिलकर एक अमृत बनाती हैं, जो पूरे घर में मधुरता घोल देती हैं। हमने अक्सर देखा है कि कोई परिवार एक बहुत बड़े, शानदार मकान में रहता है, लेकिन सुख नहीं होता। वहीं एक साधारण, छोटे-से घर में लोग प्रेम, सम्मान और आनंद से भरे होते हैं। इसका कारण स्पष्ट है–भव्य इमारत खुशी नहीं देती, बल्कि भव्य दिल देते हैं। जैसे शरीर और आत्मा का संबंध है, वैसे ही मकान और घर का। शरीर तो दिखाई देता है, आत्मा महसूस होती है। मकान बाहर से चमक सकता है, पर घर अंदर से रोशन होता है। मकान में सामान होता है, घर में रिश्ते। मकान में शोर हो सकता है, घर में सुकून। मकान में लोग पास-पास रहते हैं, घर में दिल-दिल से।

आज के समय में, जब आधुनिक जीवनशैली ने लोगों को व्यस्त और अलग-थलग कर दिया है, यह अंतर और भी महत्वपूर्ण हो गया है। लोग मकान तो बनाते जा रहे हैं–शानदार, तकनीकी सुविधाओं से भरे, लेकिन घर को बनाने वाली संवेदनाएँ कहीं छूटती जा रही हैं। हम बड़े-बड़े मकान खरीदने की होड़ में लग जाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि मन का खालीपन महलों में भी रहता है और मन की शांति झोपड़ी में भी मिल सकती है।

इसलिए अपने मकानों को घर बनाने का प्रयास कीजिए। घर बनाने के लिए पैसों की नहीं, प्रेम की जरूरत है–विश्वास की जरूरत है, एक-दूसरे को सुनने और समझने की जरूरत है। रिश्तों की गर्माहट ही घर की असली रोशनी है। मकान की दीवारें टूट सकती हैं, लेकिन घर के रिश्ते समय के साथ और मजबूत होते जाते हैं। अंततः जीवन का सार यही है कि इंसान कहाँ रहता है, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि किसके साथ रहता है और कैसा रहता है।

विश्व टेलीविजन दिवस : मनोरंजन से मानसिक क्रांति तकः टीवी का बदलता चेहरा

योगेश कुमार गोयल

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई।

दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिर्द्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

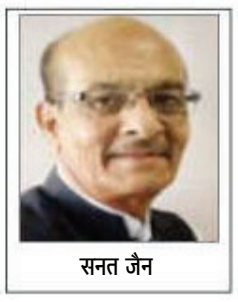

सनत जैन

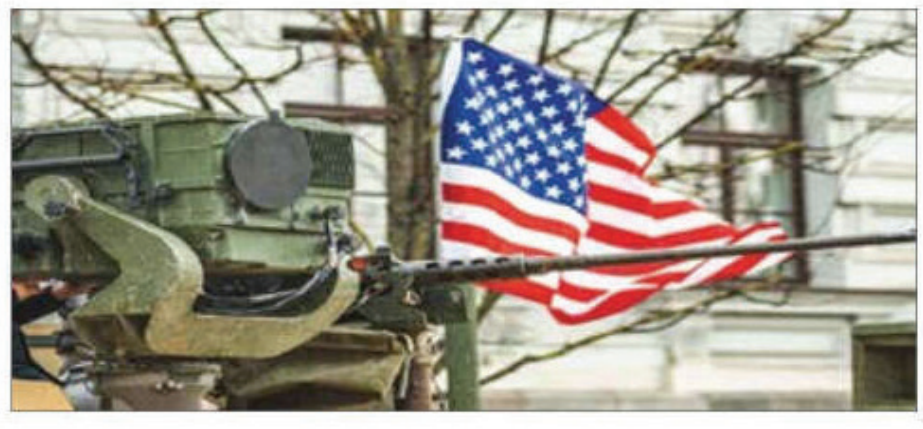

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है।

बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दर्शाता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है। फिर भी, यह घटना इस बढ़ते संघर्ष में प्रायोजक देशों की भूमिका को भी सामने लाती है। अमेरिका लंबे समय से विभिन्न देशों को सैन्य तकनीक उपलब्ध कराता आया है, इजराइल, सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य सहयोगी देश इसकी सूची में शामिल हैं। भारत भी इस कड़ी में नया नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को 100 जेवलिन एंटी-टैंक सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर स्मार्ट आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल बेचने का निर्णय लिया। लगभग 775 करोड़ रुपये की इस डील को अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिल चुकी है। जहां तक रुस और यूक्रेन जंग की बात है तो यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति अब भी मुख्यतः पि मी देशों पर निर्भर है। इन देशों के समर्थन के बिना यूक्रेन रूस की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला नहीं कर सकता। हथियारों का हस्तांतरण, सामरिक गठजोड़, और तकनीकी श्रेष्ठता, ये तीनों इस युद्ध के वास्तविक निर्णायक तत्व बन चुके हैं। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यूक्रेन और रूस की यह मिसाइल बनाम एयर-डिफेंस की लड़ाई नई दिशा लेती है या संघर्ष और अधिक जटिल होता जाता है। इसमें असमंजस इसलिए भी है, क्योंकि कहा कुछ जा रहा और किया कुछ जा रहा है। वैसे युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय यदि आपसी बातचीत से समस्या का समाधान निकाला जाए तो बेहतर होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर - 2026 के दौरान शत - प्रतिशत कार्य करने वाले तीन बीएलओ को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरूण गर्ग ने गुरुवार को जिला कलक्टर कार्यालय में एसआईआर-2026 के तहत जिले के तीन सर्वश्रेष्ठ बीएलओ को शत-प्रतिशत एसआईआर का कार्य समय से पूर्व संपादित करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मंण्डावा विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 105 के बीएलओ राकेश कुमार मीणा, मंडावा के भाग संख्या 199 के बीएलओ महीपाल मील एवं उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 231 के बीएलओ विनोद कुमार बड़सरा को शत- प्रतिशत कार्य करने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी बीएलओ को उल्लेखनीय कार्य के लिए शाबाशी दी और निरंतर दायित्व निर्वहन के साथ परिवेश के लोगों को एसआईआर-2026 के दौरान आवश्यक रूप से गणना प्रपत्र भरने के लिए प्रेरित करने की बात कही।

बीएलओ राकेश कुमार मीणा, महीपाल मील, विनोद कुमार बड़सरा ने कार्य के दौरान अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने उच्च स्तर से प्राप्त आदेशों की पालना के तहत प्रभावी रणनीति बनाकर परिपत्र वितरण एवं संग्रहण का कार्य किया, जिसका परिणाम रहा की वे निर्धारित समय से पूर्व अपना काम कर पाएं। उन्होंने अपने मतदाताओं को भी धन्यवाद दिया की उनकी सक्रियता से यह संभव हो पाया। उन्होंने अन्य साथियों को भी जल्द शत-प्रतिशत कार्य कर ऐसे सम्मान प्राप्त करने की अपील की। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, उदयपुरवाटी एसडीएम सुमन सोनल, तहसीलदार निर्वाचन मोनिका चौधरी उपस्थित रहे ।

सीआईए टोहाना की बड़ी कार्रवाई: ऑपरेशन ट्रेकडाउन के तहत 3 अवैध हथियार समेत दो आरोपी काबू

आरोपी अजय उर्फ होशियारा के खिलाफ पहले से 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशानिर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन ट्रेकडाउन' के तहत व डीएसपी मुख्यालय एंव क्राइम कुलवंत सिंह के कुशल मार्गदर्शन मे सीआईए टोहाना टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अवैध हथियारों सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले में अवैध हथियारों की सप्लाई और गैंगस्टर गतिविधियों पर पुलिस के कड़े रुख को दर्शाती है।

पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर एसपी फतेहाबाद श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन और डीएसपी की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने संदिग्ध स्थान पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को मौके पर ही काबू कर लिया। पकड़े गए आरोपियों, अमृतपाल उर्फ पाला शूटर पुत्र रामदास, निवासी जमालपूर सेंखा, और अजय उर्फ होशियारा पुत्र अमरीक सिंह, निवासी जमालपूर सेंखा, के कब्जे से तीन अवैध हथियार (पिस्टल) और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में सक्रिय थे और क्षेत्र में संगठित अपराधियों से उनकी सांठगांठ होने की आशंका है। विशेष रूप से, अजय उर्फ होशियारा के खिलाफ पहले से 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से रिमांड पर पूछताछ कर रही है ताकि हथियार सप्लाई नेटवर्क और अन्य जुड़े व्यक्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

मतदाता जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन, एक रुपया रोज सेवा संस्था

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SiR)अभियान के तहत एक रूपया रोज सेवा संस्था के द्वारा मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन चौखुटी पुल के नीचे बिनोवा बस्ती में किया गया, संस्था के अध्यक्ष सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि शिविर में मोहल्ले वासियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (SiR) प्रक्रिया के बारे में लोगों को जागरूक किया वह उनके फार्म ऑनलाइन व ऑफलाइन भरवाये गए, वार्ड नंबर 69 के पार्षद अनूप गहलोत संस्था उपाध्यक्ष मनोज कुमार ,इस्माइल खिलजी(लॉ स्टूडेंट) ,एडवोकेट अब्दुल कय्यूम ख़िलजी ,राधेश्याम नोखवाल ने फार्म भरवाने में अपना सहयोग दिया।

पीपीओ में सही बैंक खाता संख्या अपडेट व वार्षिक सत्यापन करवाना अनिवार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत विभागीय नियमानुसार पेंशनर को वर्ष में एक बार वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य है। प्रत्येक वर्ष की भांति 1 नवम्बर से कैलेण्डर वर्ष 2026 के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रारम्भ की जा चुकी है। जिले के समस्त पेंशनर्स जिन्होंने अभी तक वार्षिक सत्यापन नहीं करवाया है वे 31 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाएं। विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां ने बताया कि जिले में 282351 पेंशनर्स योजनान्तर्गत लाभान्वित है। उक्त पेंशनर्स में बहुत अधिक संख्या में ऐसे पेंशनर्स हैं जिनके पीपीओ में बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के खाता संख्या जुडे हुए थे जो कि अब राजस्थान ग्रामीण बैंक में परिवर्तित होने के कारण उनके बैंक खाता संख्या बदल गए हैं। नए बैंक खाता संख्या पेंशनर्स के पीपीओ में अपडेट नहीं होने के कारण उनकी पेंशन राषि का भुगतान रूका हुआ है। पेंशनर्स द्वारा उसके जनाधार में जुडवाया गया बैंक खाता ही उनके पीपीओ में अपडेट होता है। ऐसे सभी पेंशनर्स जिनके पीपीओ में बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का खाता जुडा हुआ था वे अपने नजदीकी ई-मित्र पर जाकर अपने जनाधार में अपना नया बैंक खाता संख्या, बैंक आईएफएससी कोड तथा बैंक शाखा का विवरण अपडेट करवाएं। जनाधार में नया खाता संख्या जुडने के पश्चात पेंशनर्स अपने संबंधित पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी (ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र में उपखण्ड अधिकारी) कार्यालय अथवा जिला कार्यालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अपने पेंशन संबंधी दस्तावेज तथा नए बैंक खाता संख्या के विवरण के साथ संपर्क कर अपने पेंषन पीपीओ में सही बैंक विवरण अपडेट कराएं ताकि उनकी पेंशन राषि का भुगतान नियमित रूप से हो सके। वार्षिक भौतिक सत्यापन नहीं करवाने पर पेंशनर्स की राषि का भुगतान रोका जा सकता है इसलिए समस्त असत्यापित पेंशनर्स 31 दिसम्बर तक अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन कराएं।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर शपथ लेने में फतेहाबाद ने हासिल किया राज्य में दूसरा स्थान

डीपीआरसी हॉल में आयोजित हुआ था राज्य स्तरीय कार्यक्रम, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने दिलवाई थी शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलोड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अब तक 87,826 लोगों ने ऑफलाइन माध्यम से तथा 3,092 लोगों ने क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन माध्यम से नशा विरोधी शपथ ली है। इन प्रयासों के बल पर फतेहाबाद ने राज्य में द्वितीय स्थान हासिल किया है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने जिला के सभी विभागों विशेष रूप से शिक्षा,पुलिस, समाज कल्याण, महिला बाल विकास,स्वास्थ्य तथा खेल आदि विभागों की टीम सहित सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अभियान में जिले की निरंतर उत्कृष्टता सभी विभागों के सामूहिक प्रयास और जनता के सहयोग का परिणाम है। जिला प्रशासन आगे भी अभियान को और व्यापक रूप से लागू कर फतेहाबाद को नशा मुक्त जिले का मॉडल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में डीपीआरसी हॉल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम 18 नवंबर को उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और जागरूकता प्रयासों में फतेहाबाद के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। राष्ट्रीय स्तर पर यह मुख्य कार्यक्रम अमृतसर में आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय दोनों आयोजनों में सरकार द्वारा नशा मुक्त समाज निर्माण के संकल्प को दोहराया गया। पांच वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए नशा मुक्त भारत अभियान ने जन-जागरूकता की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने विभिन्न माध्यमों–रैलियों, कार्यशालाओं, जनसंवाद और डिजिटल अभियानों–के जरिये समाज के सभी वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया है।

हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी यात्रा का टोहाना में भव्य स्वागत, यात्रा जींद के लिए रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हिंद की चादर' और त्याग-बलिदान के प्रतीक नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ को समर्पित ऐतिहासिक शहीदी नगर कीर्तन यात्रा का आज टोहाना उपमंडल में अत्यंत श्रद्धाभाव, उत्साह और गरिमामय वातावरण में स्वागत किया गया। यात्रा प्रातः भूना से रवाना होकर उपमंडल के गांव सनियाना पहुँची, जहाँ गुरुद्वारा साहिब में पावन स्वरूप का मर्यादापूर्वक और भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरु साहिब के दर्शन किए और गुरबाणी कीर्तन के बीच नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात यात्रा मेन बस अड्डा पिरथला और गुरुद्वारा सिंह सभा लललौदा पहुँची, जहाँ स्थानीय संगत ने पुष्पवर्षा, सेवा-सत्कार और लंगर प्रबंधों के माध्यम से गहरी श्रद्धा प्रकट की। प्रत्येक पड़ाव पर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का उत्साह देखने योग्य रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जल सेवा, प्रसाद और लंगर की विशेष व्यवस्थाएं की गईं। शहीदी यात्रा टोहाना बाइपास से गुरुनानक धर्मशाला गुरुद्वारा पहुंची, जहाँ शहरभर की संगत ने एकत्र होकर पावन स्वरूप के दर्शन किए। कीर्तन और अरदास के बीच पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल व्याप्त रहा। इसके बाद यात्रा टोहाना उपमंडल के गांव कमालवाला पहुँची, जहाँ संगत ने अत्यंत सम्मानपूर्वक स्वागत किया। टोहाना से यात्रा जिला जींद के लिए प्रस्थान कर गई। यह ऐतिहासिक शहीदी नगर कीर्तन यात्रा प्रदेश के विभिन्न जिलों से होती हुई आगामी 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समापन समारोह में पहुँचेगी। गुरु साहिब की शहीदी स्मृति में निकाली जा रही यह यात्रा धार्मिक स्वतंत्रता, मानवीय मूल्यों और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रेरणादायक संदेश जन-जन तक पहुँचा रही है।

पहलाद राम मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान, नोखा तहसील के नए उपाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान में संगठनात्मक मजबूती लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, संस्थान के ज़िला अध्यक्ष (बीकानेर) त्रिलोक चंद जयपाल ने पहलाद राम मेघवाल को नोखा तहसील उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति नोखा तहसील में समाज के कार्यों को गति देने और संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है।

नई जिम्मेदारी से मिलेगी सामाजिक कार्यों को नई दिशा

ज़िला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि पहलाद राम मेघवाल अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मेघवाल की नियुक्ति से नोखा तहसील क्षेत्र में मेघवाल समाज की एकता और सामाजिक कार्यों को नई दिशा मिलेगी, जिससे समाज के हितों की रक्षा और विकास के कार्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा।

समाज में हर्ष का माहौल

पहलाद राम मेघवाल को नोखा तहसील उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। पदभार संभालने के बाद, पहलाद राम मेघवाल ने संस्थान और ज़िला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे और संगठन को ज़मीनी स्तर पर और मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

चिड़ावा सरकारी अस्पताल में 108-104 एंबुलेंस कर्मियों को कमरा खाली करवाया, स्टाफ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

सरकारी अस्पताल में 108 और 104 एंबुलेंस कर्मियों द्वारा रात्रि विश्राम के लिए उपयोग किए जा रहे कमरों को अचानक खाली करवाए जाने के बाद मामला गरमा गया है। कम वेतन में जनता की सेवा करने वाले इन एंबुलेंस चालकों ने एसडीएम से हस्तक्षेप की मांग की है और आरोप लगाया है कि वे अपने खर्च पर कमरे को रहने योग्य बनाकर उपयोग कर रहे थे। सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। 15 नवंबर 2025 को अस्पताल के पीछे स्थित बिल्डिंग पर कंडम घोषित करते हुए नोटिस चिपका दिया गया। आज गुरूवार को स्टाफ को कमरे से बाहर निकाल कर कमरे पर ताला लगा दिया गया। यह वही बिल्डिंग है जिसमें 108 और 104 एंबुलेंस चालक और स्टाफ रात्रि विश्राम करते थे। स्टाफ ने बताया कि जब उन्हें कमरे दिए गए थे, तब उनमें न बिजली की सुविधा थी न पानी की, और न ही किसी प्रकार की मरम्मत की गई थी। एंबुलेंस चालक दल ने बताया कि उन्होंने अपनी जेब से करीब 20 हजार रुपये का खर्च कर बिजली फिटिंग, पानी की लाइन और अन्य आवश्यक मरम्मत करवाकर कमरों को रहने योग्य बनाया था। उनका कहना है कि कम वेतन में बाहर कमरे लेकर रहना संभव नहीं है, इसलिए अस्पताल परिसर में रात्रि विश्राम अनिवार्य है ताकि आपातकालीन सेवाओं में देरी न हो।

स्टाफ ने ज्ञापन में यह भी लिखा कि अस्पताल में डॉक्टर और नर्सों के क्वार्टर भी इसी तरह कि स्थिति में हैं, लेकिन उनका उपयोग जारी है। ऐसे में केवल एंबुलेंस चालकों को कमरे खाली कराने के निर्णय पर सवाल उठाए गए। एंबुलेंस कर्मियों ने एसडीएम से निवेदन किया है कि जब तक पीएमओ द्वारा बिल्डिंग को तोड़ने का औपचारिक आदेश जारी नहीं किया जाता, तब तक नोटिस रोका जाए। उन्होंने लिखित में आश्वस्त किया है कि जैसे ही बिल्डिंग तोड़ी जाएगी, वे तत्काल कमरे खाली कर देंगे। स्टाफ ने कहा कि यदि अस्पताल प्रबंधन को 108 और 104 एंबुलेंस सेवा की जरूरत नहीं है, तो इस बारे में लिखित आदेश जारी किया जाए, ताकि उनके स्टाफ को किसी अन्य स्थान पर रहने की उचित व्यवस्था मिल सके। एंबुलेंस चालक दल ने लिखित में कहा है कि यदि इस जर्जर क्वार्टर में रहते हुए किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो वे स्वयं इसकी जिम्मेदारी लेंगे और उनके परिवारजन भी किसी प्रकार का दावा नहीं करेंगे। उनका कहना है कि जनता की सेवा बाधित न हो, इसलिए मजबूरी में वे इसी बिल्डिंग में रह रहे हैं। एंबुलेंस स्टाफ ने एसडीएम से तुरंत निरीक्षण करवाने की मांग की है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और जनहित में निर्णय लिया जा सके। यह मामला अब स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के लिए गंभीर विषय बन चुका है। ज्ञापन देने वालों में 108 एंबुलेंस यूनियन जिलाध्यक्ष मनेन्द्र सिंह, मुकेश (बंटी नूनिया), सतीश कुमार, अरविंद कुमार, नरेश लांबा, अंकित निर्मल मौजूद रहे।

चिड़ावा उप जिला अस्पताल में बिना अनुमति वीडियो कवरेज करने वाले दो युवकों पर कार्रवाई, जांच में पुष्टि के बाद मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

उप जिला अस्पताल चिड़ावा में बिना अनुमति वीडियो ग्राफ़ी करने, मरीजों व स्टाफ़ को परेशान करने तथा अस्पताल के कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में पुलिस ने जांच पूरी कर रिपोर्ट थाने में प्रस्तुत कर दी है। जांच में पुष्टि होने पर थाना चिड़ावा पुलिस ने धारा 319(2), 318(4), 132 बीएनएस 2023 व 66 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। प्रकरण के अनुसार 12 नवंबर 2025 को डॉ. संत कुमार व पीएमओ डॉ. नितेश जागिड ने परिवाद देकर बताया था कि कुछ तथाकथित यूट्यूबर बिना अनुमति अस्पताल परिसर में प्रवेश कर गए और ओपीडी, डॉक्टर चेंबर व सोनोग्राफी कक्ष में वीडियो कवरेज करते हुए मरीजों को इकट्ठा कर गैरजरूरी पूछताछ करने लगे, जिससे अस्पताल का माहौल खराब हुआ और राजकार्य में बाधा उत्पन्न हुई। रिपोर्ट पर जांच सउनि कैलाश कुमार को सौंपी गई। जांच के दौरान परिवादी डॉक्टरों के बयान लिए गए, अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और मीडिया कर्मियों के वास्तविक पद की पुष्टि हेतु झुंझुनू पीआरओ कार्यालय से तथ्य मांगे गए। पीआरओ कार्यालय द्वारा पत्रांक 833 दिनांक 14.11.2025 के माध्यम से सूचित किया गया कि मंजित यादव पुत्र सुमेर सिंह, पंकज सरावगी पुत्र ओमप्रकाश तथा सचिन सैनी पुत्र राधेश्याम किसी भी प्रकार से मान्यता प्राप्त मीडिया कर्मी नहीं हैं और बिना अनुमति सरकारी संस्थान में वीडियो कवरेज करना प्रोटोकॉल व सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम का उल्लंघन है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि 12 नवंबर को दो युवक–मंजित यादव (27) निवासी कुशलपुरा, थाना सूरजगढ़ तथा पंकज सरावगी (36) निवासी बाजला, थाना धनरी–अस्पताल में आए और खुद को मीडिया कर्मी बताकर ओपीडी, डॉक्टर चेंबर और पीएमओ कार्यालय में वीडियो बनाते रहे। डॉक्टरों द्वारा मना करने के बावजूद दोनों लगातार रिकॉर्डिंग करते रहे और मरीजों को सोनोग्राफी व इलाज को लेकर भड़काते हुए पूछताछ करते रहे। बाद में इस वीडियो कवरेज को सोशल मीडिया समूहों और यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित भी किया गया। जांच अधिकारी सउनि कैलाश कुमार ने रिपोर्ट थाना चिड़ावा में प्रस्तुत की, जिस पर एसएचओ आशाराम पुनि ने मामला दर्ज कर आगे की तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

डीड राइटर व स्टांप वेंडर संघ बुहाना के चुनाव की घोषणा, 12 दिसंबर 2025 को होंगे मतदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

डीड राइटर व स्टांप वेंडर संघ, तहसील बुहाना की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को संघ अध्यक्ष भूप सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संघ के आगामी चुनाव की रणनीति तय करना था। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि संघ के चुनाव 12 दिसंबर 2025 को कराए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 1 दिसंबर 2025 से चुनाव आचार संहिता लागू कर दी जाएगी। सभी सदस्यों ने चुनाव को लेकर एकजुटता का प्रस्ताव लिया और इसकी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान अध्यक्ष भूप सिंह यादव के साथ, जसवंत सिंह, भूप सिंह योगी, कमलेश कुमार, सत्यवीर सिंह दहिया, रामनिवास चौहान, मुकेश रांगेय, दिनेश कुमार, प्रदीप कुमार सागवा, सिकंदर सिंह, सचिव हिमांशु गोयल, विकास मान, लोकेश कुमार, एवं डीड राइटर व स्टांप वेंडर संघ के अन्य सभी सदस्य मौजूद रहे। संघ के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि आगामी चुनाव से संगठन को और मजबूती मिलेगी और यह संघ के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगा।

डीग पुलिस ने 11 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

डीग

डीग की जुरहरा पुलिस ने 'ऑपरेशन एंटीवायरस' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां जुरहरा-कामा मार्ग पर एक पेट्रोल पंप के पीछे से की गईं, जहां ठग साइबर अपराधों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन और 11 फर्जी सिम कार्ड बरामद किए हैं। डीग एसपी ओम प्रकाश मीणा के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया, जिसमें कई घंटों तक सर्च ऑपरेशन चलाकर इन ठगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी फर्जी सिम कार्ड का उपयोग कर सोशल मीडिया पर नकली अकाउंट बनाते थे। इन अकाउंट्स के माध्यम से वे सस्ते दामों पर गाय-भैंस बेचने का विज्ञापन डालकर लोगों को ठगते थे। इसके अतिरिक्त, ये ठग सेक्सटॉर्शन के जरिए भी लोगों को अपने जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करते थे और उनसे मोटी रकम वसूलते थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन साइबर ठगों ने अब तक करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम दिया है और कई राज्यों के लोगों को अपना शिकार बनाया है। पुलिस पकड़े गए सभी आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ से और भी खुलासे होने की संभावना है, जिससे उनके गिरोह और ठगी के अन्य तरीकों का पता चल सकेगा।

जैसलमेर बॉर्डर पर मिला ड्रोन, पाकिस्तान से आने की आशंका

जैसलमेर

जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन मिला है। रामगढ़ में नहरी इलाके के खेत में यह गिरा था। इसके पाकिस्तान से आने की आशंका जताई जा रही है। सूचना के बाद रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई है। दरअसल, रामगढ़ नहरी क्षेत्र में स्थित एक मुरब्बे (खेत) में गुरुवार दोपहर 2 बजे ड्रोन मिला। स्थानीय किसान ने खेत में इसे देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन किस दिशा से आया, किस उद्देश्य से उड़ रहा था और तकनीकी खराबी से गिरा या किसी अन्य कारण से। ड्रोन ने जमीन पर गिरने के बाद कई फीट तक स्लाइड करते हुए मिट्टी में खिंचाव बनाए हैं। इसके आगे वाले हिस्से में हल्की क्षति नजर आ रही है, जबकि पंख और पिछले हिस्से के फिन्स सुरक्षित दिखाई देते हैं। ड्रोन का आकार यह संकेत देता है कि यह किसी सर्विलांस, रिकॉर्डिंग या तकनीकी निगरानी मिशन में काम आने वाला मॉडल हो सकता है। सूचना के बाद रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रोन की घेराबंदी की। पुलिस की सूचना के बाद एयरफोर्स की टीम मौके के लिए रवाना हुई है और एयरफोर्स की टीम इस ड्रोन की जांच करेगी।

100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए तैयार हो पार्किंग स्टैंड: 20 करोड़ की लागत से तैयार होगा

अजमेर

अजमेर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पहले नौसर घाटी स्थित बस स्टैंड तैयार किया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। गुरुवार को तैयारी का निरीक्षण करने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस मौके पर स्पीकर देवनानी ने कहा कि मार्च 2026 तक संभवत तैयार हो जाएगा। इसके बाद अजमेर में करीब 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएगी। इससे जिले की जनता को काफी राहत मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा- बजट अनाउंसमेंट के दौरान 100 इलेक्ट्रिक बसों की घोषणा की गई थी। इसके तहत अजमेर में इलेक्ट्रिक बसों की पार्किंग के लिए नौसर घाटी के नजदीक पुराने प्राइवेट बस स्टैंड को मॉडिफाई कर तैयार किया जा रहा है। जिसमें 20 करोड़ तक खर्चा होगा। देवनानी ने कहा कि मार्च 2026 तक इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इस बस स्टैंड को आधुनिक तरीके से तैयार किया जा रहा है। यह अजमेर के लिए एक बड़ी सौगात होगी। यह सभी बसें पूरे जिले में संचालित होगी। अजमेर जिले की पॉपुलेशन करीब 20 लाख के आसपास है। उनको इससे काफी राहत प्राप्त होगी। करीब 100 बसों के लिए पार्किंग की व्यवस्था यहां की जा रही है।

दौसा में श्रम विभाग ने जारी किए 1200 नोटिस: बकाया सैस जमा नहीं कराने पर नियोजक व ठेकेदारों से होगी वसूली

दौसा

दौसा जिले में श्रम विभाग का बकाया उपकर (सैस) जमा नहीं कराने पर नियोजक एवं ठेकेदार के खिलाफ वसूली एवं कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए जिले में विभाग की ओर से करीब 1200 नियोजक व ठेकेदारों को अंतिम सैस सुनवाई नोटिस जारी किए गए हैं। जिनके द्वारा सैस राशि जमा नहीं करवाने पर ब्याज आरोपित कर निर्धारण आदेश जारी किए जाएंगे। जारी निर्धारण आदेशों में उपकर राशि जमा नहीं करवाने पर पेनल्टी सहित वसूली प्रक्रिया शुरू की जाएगी। श्रम कल्याण अधिकारी राकेश कुमार मीना ने बताया कि निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वित्त पोषण के लिए भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 तथा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण उपकर नियम, 1998 के प्रावधान 27 जुलाई 2009 से सभी निर्माण कार्यों पर लागू है।

बीकानेर में पाँच दिवसीय तलवारबाजी आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मिरेकल लर्निंग फाउंडेशन और क्षत्रिय सभा बीकानेर संभाग के संयुक्त तत्वावधान में बिदासर हाउस तीर्थ स्तंभ में पाँच दिवसीय तलवारबाजी आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चला।

सोनलबा पढियार ने दिया प्रशिक्षण - गुजरात से आईं सुप्रसिद्ध प्रशिक्षक सोनलबा पढियार और उनकी टीम ने राजपूत समाज की युवा बालिकाओं और पुरुषों को यह निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया। सोनलबा पढियार 2015 से ही तलवारबाजी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए जानी जाती हैं।

सोनलबा पढियार की विशिष्ट उपलब्धियाँ - सोनलबा पढियार को समाज सेवा और प्रशिक्षण के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मान मिल चुके हैं, जिनमें मुख्य हैं:

*** इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड 2019**

*** एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड 2019**

*** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अहमदाबाद सिटी पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा पुरस्कार**

*** ऊर्जा अवार्ड 2021 और सीने लाइफ अवार्ड 2021।**

उन्होंने अब तक गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में 15,000 से अधिक बहन-बेटियों को प्रशिक्षित किया है।

आयोजनकर्ता और मुख्य अतिथि - इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन मिरेकल लर्निंग फाउंडेशन के संस्थापक एवं सीईओ करण सिंह सिसोदिया, प्रेसिडेंट व एनएलपी एक्सपर्ट आरती राठौर, और क्षत्रिय सभा बीकानेर संभाग के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया द्वारा किया गया। शिविर के समापन और सम्मान समारोह में बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र की विधायिका सुश्री सिद्धि कुमारी बाईसा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनका स्वागत आरती राठौर ने फूलों का गुलदस्ता और शॉल ओढ़ाकर किया। विशेष अतिथियों में कर्नल हेम सिंह शेखावत, कर्नल मोहन सिंह धूपालिया, और मगन सिंह आरपीएस शामिल रहे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से आयोजन का मान बढ़ाया।

सामाजिक एकता और आत्मरक्षा पर बल - मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों ने अपने विचारों में प्रशिक्षित युवाओं और बालिकाओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि क्षत्रिय समाज केवल अपने समाज की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त 36 कामो को साथ लेकर चलता है। क्षत्रिय सभा बीकानेर संभाग के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया ने संकल्प व्यक्त किया कि क्षत्रिय समाज 36 कॉम की बहन-बेटियों की रक्षा का संकल्प लेता है। उन्होंने प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं से आह्वान किया कि वे अन्य समाजों की संस्कृति और शरीर की रक्षा का उत्तरदायित्व निभाएँ।

प्रशिक्षुओं के विचार

*** प्रशिक्षण के बाद, पूर्णिमा राजवी ने कहा कि इस शिविर से उनमें आत्मनिर्भरता और सेल्फ कॉन्फिडेंस (आत्मविश्वास) उत्पन्न हुआ है।**

*** पप्पू सिंह सेवड़ा ने समाज की परंपराओं को वापस जीवित करने और आत्मरक्षा के लिए संस्कृति को संजोकर रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया**

पत्नी ने आत्महत्या की तो बेटे को मार डाला: सुसाइड नोट में लिखा-मेरे घरवालों की कोई गलती नहीं

उदयपुर

मेरे घरवालों की कोई गलती नहीं है। मैं खुद मर रहा हूं। हेमू (बेटा) की मम्मी मेरे से पहले फंदा लगाकर मर गई थी। कोई भी मेरे मां-बाप को परेशान न करे। ये (पत्नी) मरी, इसलिए हम दोनों भी मरे हैं। मामला ऋषभदेव थाना क्षेत्र का बुधवार शाम 7 बजे का है। डीएसपी राजीव राहर ने बताया- पत्नी के सुसाइड का कारण सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है। डीएसपी राजीव राहर ने बताया- मसारो की ओवरी गांव में बुधवार शाम 7 बजे घर में शारदा (27) का शव फर्श पर पड़ा मिला। वहीं उसके पति जगदीश (30) पुत्र अमरा मीणा और बेटे हिमांशु उर्फ हेमू (7) फंदे से लटके मिले। शवों को ऋषभदेव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। जगदीश पेट्रोल पंप पर काम करता था। उसकी पत्नी कुछ समय से निजी क्लिनिक पर काम कर रही थी। जगदीश के माता-पिता कानूवाडा करियावर गांव गए हुए थे। दोनों बुधवार शाम को घर लौटे तो गेट अंदर से बंद था। जगदीश की बाइक घर के बाहर खड़ी थी। लोगों को बुलाकर गेट तुड़वाया। अंदर जाने पर जगदीश की मां को बहू और पोते का शव दिखा। दूसरे कमरे में बेटे का शव मिला। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जगदीश काम से घर लौटा तो पत्नी का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। उसने शव फंदे से उतारकर फर्श पर रखा। इसके बाद अपने बेटे को फंदे से लटका दिया। बेटे की हत्या के बाद दूसरे कमरे में जाकर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। जगदीश और शारदा की शादी फरवरी 2017 में हुई थी। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रजोल गांव में रहने वाले शारदा के पीहर पक्ष ने रिपोर्ट दी है। शारदा के भाई प्रकाश पुत्र संग्राम मीणा ने रिपोर्ट में बताया कि ये हत्या है या फिर सुसाइड, पुलिस इस मामले की जांच करे। जगदीश के छोटे भाई सुनील कुमार ने भी थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें जांच की मांग की है।

पति द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट में साफ शब्दों में कहा गया कि उसके घरवालों की इसमें कोई गलती नहीं है. उसने लिखा मैं खुद मर रहा हूं, हेमू बेटा की मम्मी मेरे से पहले फंदा लगाकर मर गई थी, कोई भी मेरे मां-बाप को परेशान न करें. पत्नी मरी, इसलिए हम दोनों भी मरे हैं. इस नोट ने परिवार की मानसिक पीड़ा को उजागर किया और जांच अधिकारियों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर क्या वजह रही होगी इस फैसले के पीछे.

कृषि अनुसंधान केंद्र के बाहर स्कूली बच्चों का प्रदर्शन: ग्रामीण बोले- अर्द्धवार्षिक परीक्षा में नहीं बैठने दिया

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर में 1-ई छोटी स्थित सतगुरु कॉलोनी के 150 स्कूली बच्चे अर्धवार्षिक परीक्षा देने कृषि अनुसंधान केंद्र पहुंचे तो केंद्र के अधिकारियों ने गेट को ताला जड़ दिया। जिसके बाद आधे बच्चे अंदर रह गए और आधे बाहर सड़क पर खड़े रोते रहे। बच्चों की परीक्षा नहीं हो पाई। गुस्साए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने केंद्र के बाहर धरना शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आनन-फानन में 7 दिन की ऑप्शनल व्यवस्था कर दी। जिसके बाद अब ये बच्चे पुलिस लाइन में पढ़ेंगे और आने-जाने के लिए तीन बसें लगाई गई हैं।

4 किलोमीटर दूर शिफ्ट किया स्कूल

दरअसल, 1 ई छोटी की सतगुरु कॉलोनी में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल का भवन जर्जर हो चुका है और कभी भी ढह सकता है। बच्चों की जान को खतरा देखते हुए प्रशासन ने सभी 150 बच्चों को बारहमासी नहर के पास वाले राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में शिफ्ट कर दिया। जो सतगुरु कॉलोनी से 4 किलोमीटर की दूरी पर है। बच्चों को वहां शिफ्ट किए जाने के बाद स्कूल दो शिफ्टों में संचालित होने लगा। सुबह 8 से दोपहर 12:30 तक मूल स्कूल के बच्चे, दोपहर 12:30 से शाम 6:30 तक सतगुरु कॉलोनी के बच्चे पढ़ाई करने लगे। सतगुरु कॉलोनी के बच्चों को इतनी दूर आने-जाने में परेशानी होती थी। कुछ दिन पहले एक बच्चे का रास्ते में एक्सीडेंट हो गया और जबड़ा टूट गया। इसके बाद ग्रामीण और जनप्रतिनिधि जिला कलेक्टर से मिले। बच्चों की परेशानी को समझ कलेक्टर ने सतगुरु कॉलोनी के पास ही स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र के किसान भवन में बच्चों के पढ़ाई की ऑप्शनल व्यवस्था कर दी। गुरुवार सुबह जब बच्चे परीक्षा देने पहुंचे तो कृषि अनुसंधान केंद्र के अधिकारियों ने साफ मना कर दिया। गेट को ताला लगा दिया गया। जिसके कारण बच्चे परीक्षा से वंचित रह गए। जब ग्रामीणों को इस बात का पता चला तो वे आक्रोशित हो गए। जिसके बाद जनप्रतिनिधियों के साथ ग्रामीण कृषि अनुसंधान केंद्र के बाहर जमा हो गए और धरने पर बैठ गए। लोगों ने कृषि अनुसंधान केंद्र के बाहर जमकर नारेबाजी की। हंगामा बढ़ता देख मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, बीईईओ, समेत तमाम अधिकारी पहुंचे। बच्चों को तुरंत 7 दिन के लिए श्रीगंगानगर पुलिस लाइन में शिफ्ट करने का फैसला लिया गया। आने-जाने के लिए तीन बसों का इंतजाम किया गया। अधिकारियों ने कहा- जब तक कृषि अनुसंधान केंद्र से लिखित अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक पुलिस लाइन में पढ़ाई होगी। गांव के उपसरपंच अमित सुडिया इस कहा- कृषि अनुसंधान केंद्र के अधिकारी कलेक्टर के आदेश को भी नहीं मान रहे। अगर 7 दिन में किसान भवन में पढ़ाई शुरू नहीं हुई तो वह फिर से बड़ा आंदोलन करेंगे और कृषि केंद्र को घेरेंगे।

न्यायाधीश मांडवी राजवी ने गगाशहर रोड पर बाल वाहिनियों की आकस्मिक चैकिंग परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने सीज किए वाहन, काटे चालान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव तथा अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मांडवी राजवी ने गुरुवार को गंगाशहर रोड पर बाल वाहिनियों को रुकवाकर वाहनों की आकस्मिक जांच की। बाल वाहिनियों में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़े पुख्ता इंतजाम नहीं मिले। ज्यादातर वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बिठाया हुआ पाया गया, जिससे किसी हादसे की संभावना रहती है। ज्यादातर बाल वाहिनियां नियम विरूद्ध चलती पाई गई। गेट के लॉक टूटे हुए थे। चालकों के पास ड्राईवर के वैध लाईसेंस व पहचान दस्तावेज पूर्ण नहीं थे। कई वाहनों पर नम्बर अंकित नहीं थे। विभिन्न अधिकारियों द्वारा वाहनों को सीज कर चालान काटे। मौके पर मिली एक स्कूल बस को परिवहन विभाग द्वारा चैक किया गया तो उसमें कई कमियां पाई गई। निरीक्षण के दौरान, संजीव चौधरी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन पुलिस व ट्रेफिक पुलिस स्टाफ इत्यादि उपस्थित रहे।

सारी गांव की बेटी प्रियंका ने रसायन विज्ञान में हासिल की डॉक्टरेट, गांव का नाम रोशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर से प्रियंका, पुत्री धर्मवीर निवासी सारी ने रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट (PhD) की उपाधि प्राप्त कर अपने गांव का नाम रोशन किया। उन्होंने डॉक्टर सुश्रुता समांथा के मार्गदर्शन में रसायन विज्ञान में शोध कार्य पूरा किया।प्रियंका के पिता ने खेती के काम के साथ अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाने का संघर्ष किया और अब प्रियंका ने अपने मेहनत और संकल्प से यह सफलता हासिल की। प्रियंका ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और भाई-बहनों को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका सहयोग और प्रेरणा दी।

बूंदी स्टेट हाईवे में देरी

ग्रामीणों ने लगाया जाम: 2018 में हुई थी घोषणा

बूंदी

बूंदी के नमाना क्षेत्र में स्टेट हाईवे 29-बी के निर्माण में लगातार हो रही देरी से आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार को नमाना-बूंदी मार्ग पर जाम लगा दिया। सिलोर गांव के पास करीब एक दर्जन गांवों के लोग जमा हुए और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की दयनीय स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और विभाग व ठेकेदार झूठे आश्वासन दे रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही पीडब्ल्यूडी-पीपीपी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने ग्रामीणों से काम शुरू करने के लिए आठ दिन का समय मांगा है। ग्राम पंचायत सरपंच सुरेश मीणा ने बताया कि ग्रामीणों ने इससे पहले 25 सितंबर को भी सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। तब सार्वजनिक निर्माण विभाग पीपीपी मोड कोटा के अधिकारी मुकेश गोचर ने 15 नवंबर से काम शुरू करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया था। ग्रामीणों ने उस समय ही चेतावनी दी थी कि यदि 15 नवंबर तक काम शुरू नहीं हुआ, तो 20 नवंबर को फिर से चक्का जाम किया जाएगा। इसी चेतावनी के तहत गुरुवार को यह जाम लगाया गया। सुरेश मीणा ने स्पष्ट किया कि अब ग्रामीण किसी आश्वासन पर भरोसा नहीं करेंगे, शिलान्यास और काम शुरू होने के बाद ही जाम हटाया जाएगा। पीडब्ल्यूडी कोटा के अधिशाषी अभियंता मुकेश गोचर ने बताया कि 200 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट है। बड़े प्रोजेक्ट में अक्सर कागजी कार्रवाई में समय लग जाता है। इसमें भी यही हो रहा है। अब इतने बड़े काम का शिलान्यास होगा, तभी तो काम शुरू होगा। आज हम दो मशीन लगाकर काम शुरू कर देंगे। फिर दो दिन बाद वह बंद हो जाएगा। इससे तो अच्छा है, ग्रामीणों से हम 8 दिन का समय और मांग रहे हैं, ताकि बची हुई कागजी कार्रवाई को पूरा कर शिलान्यास करवाकर काम शुरू करवा सके। सभी को समझना होगा। चक्का जाम करना किसी मामले का हल नहीं है। जब ग्रामीणों ने अधिकारी मुकेश गोचर से निर्माण शुरू करने की मांग की, तो उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के लिए आवश्यक सभी एनओसी मिल चुकी हैं

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को गैस चैंबर में भेज रहे... दिल्ली-एनसीआर में स्पोर्ट्स मीट पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। एक्यूआई का मीटर 400-500 के पार चला गया है। पूरे इलाके में धुंध की चादर छाई हुई है। इसी धुएं में कई स्कूल नवंबर-दिसंबर में अपने वार्षिक स्पोर्ट्स मीट कराने की जिद पर अड़े हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट में यह गंभीर मामला एडवोकेट अपराजिता सिंह ने उठाया। उन्होंने चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच को बताया, इस वक्त बच्चों को बाहर खेलने भेजना मतलब उन्हें गैस चैंबर में डालने जैसा है। बच्चे सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं, उनकी सेहत से खिलवाड़ क्यों? बेंच ने तुरंत एक्शन लिया और एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन से कहा कि आप फौरन निर्देश जारी करने पर विचार करें कि दिल्ली-एनसीआर के सारे स्कूल नवंबर-दिसंबर में होने वाले स्पोर्ट्स इवेंट्स को टाल दें। तब तक टालें जब तक हवा फिर से सांस लेने लायक न हो जाए।

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकवादी उमर मोहम्मद ने लाल किले की कार पार्किंग में बनाया था बम?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली बम धमाका की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि कार में धमाका को अंजाम देने वाले उमर मोहम्मद उर्फ उम उन नबी ने पब्लिक कार पार्किंग में बम को असैंबल (तैयार) किया था। धमाके से पहले उसने सुनहरी मस्जिद की कार पार्किंग में करीब 3 घंटे समय बिताया था। वह 3.19 बजे पार्किंग में घुसा और 6.28 बजे बाहर निकला और फिर 6.52 बजे धमाका हो गया। जांच एजेसियां इस सवाल का जवाब खोजने में जुटी रहीं कि आखिर उमर ने इतनी देर तक कार पार्किंग में क्या किया? जांच में ये बात बहुत पहले से सामने आ गई थी कि पार्किंग में होने के दौरान उमर गाड़ी से एक भी बार बाहर नहीं आया। वह लगातार कार के अंदर ही बना रहा। एनडीटीवी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि धमाके वाले दिन उमर दिल्ली में घुसने के बाद से लगातार अपने आकाओं से संपर्क बनाए हुए था। जांच कर रहीं टीम को शक है कि ये लोग हमला करने की जगह को लेकर डिस्कस कर रहे होंगे कि आखिर धमाके को कहां अंजाम देना है। इसका अंदाजा उमर द्वारा तय किए गए रूट (रास्ते) से लगाया जा रहा है। उमर पुरानी दिल्ली पहुंचने से पहले मयूर विहार और कनौट प्लेस भी गया था। इसके बाद उसने लाल किला की कार पार्किंग को चुना। जांचकर्ताओं को शक है कि इसके पीछे की वजह, लाल किला का ऐतिहासिक होना है। लेकिन, उमर और उसके आकाओं को इस बात का अंदाजा नहीं था कि सोमवार को लाल किला दर्शकों के लिए बंद रहता है। इस कारण पार्किंग का अधिकांश हिस्सा खाली था।

मेट्रो के खंभों पर पोस्टर लगाया तो होगी एफआईआर, एक साल की जेल और 50 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दिल्ली सरकार की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत दिल्ली मेट्रो की संपत्ति पर पोस्टर चिपकाने वालों की अब खैर नहीं। उनपर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। इसे लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) के मुख्य सुरक्षा आयुक्त सुवाशीष चौधरी की तरफ से दिल्ली पुलिस को पत्र लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि ऐसे लोगों के खिलाफ डीएमआरसी द्वारा दी जाने वाली शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाए। इससे मेट्रो संपत्ति को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। बीते दिनों मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीएमआरसी को भी निर्देश दिए थे कि वह अपने परिसरों एवं संपत्तियों पर पोस्टर लगाने से रोके। सूत्रों ने बताया कि यह एफआईआर दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 2007 के तहत दर्ज की जा सकती है।

जानवरों को ठंड से बचाने के लिए दिल्ली के जू में बन गया विंटर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। तापमान लगातार गिरने के कारण, दिल्ली चिड़ियाघर ने अपने जानवरों के लिए सर्दियों की योजना तैयार कर ली है। इस योजना में हीटर और डीह्यूमिडिफायर (नमी कम करने वाले उपकरण) लगाने से लेकर जानवरों के आहार में मेवे (नट्स) और गुड़ शामिल करने तक के उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत, युवा प्राइमेट्स (जैसे बंदर आदि) को कंबल दिए जाएंगे, जबकि उनके बाड़ों को गर्म रखने के लिए बांस की जाफरी की फूस का इस्तेमाल किया जाएगा।

तापमान की स्थिति इस मौसम में पहली बार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 15 नवंबर को 10 डिग्री से नीचे चला गया था।17 नवंबर को यह 8.7 डिग्री था, जो कि पिछले तीन सालों में नवंबर का सबसे कम तापमान था। मंगलवार को तापमान 9.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत तक, दिल्ली में न्यूनतम तापमान का 5 डिग्री से नीचे जाना असामान्य नहीं है।

दिल्ली जू के हवाले से बताया गया कि वह विभिन्न प्रजातियों की जरूरतों

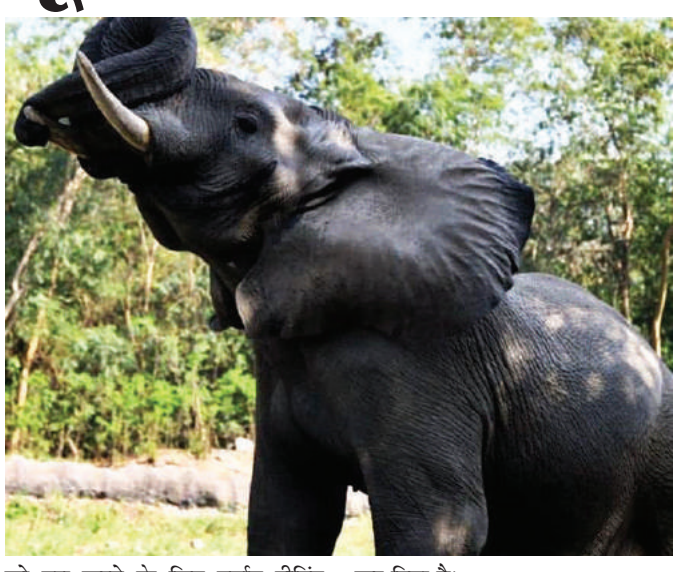

को पूरा करने के लिए पर्याप्त हीटिंग (गर्म करने) की व्यवस्था के साथ, प्रजाति-वार अलगाव भी करेगा। सर्दियों के आहार में बदलाव सहित यह योजना 1 नवंबर से लागू हो गई है। चिड़ियाघर के निदेशक, संजीव कुमार ने कहा, इस साल प्रजाति-विशिष्ट और साथ ही उम्र-विशिष्ट विस्तृत योजना तैयार की गई है और ठंड की तीव्रता के आधार पर टीम ने इसे 1 नवंबर से ही लागू करना शुरू कर दिया है।

मणिपुरी हिरण जैसी प्रजातियों में, जो आमतौर पर सर्दियों के दौरान बच्चे को जन्म देते हैं, मां और नवजात शिशुओं पर दबाव कम करने के लिए प्रमुख नर को अलग किया जा रहा है। कुमार ने आगे बताया, शाकाहारी जानवरों और पक्षियों को धान के पुआल की बिस्तर-व्यवस्था दी जा रही है, जबकि मांसाहारी और प्राइमेट्स को बर्फीली ठंडी जमीन से दूर रखने के लिए लकड़ी के तख्ते और चटाइयां दी जा रही हैं। इस महीने सक्रिय किए गए शुरुआती हस्तक्षेपों में से एक यह है कि नवजात प्राइमेट्स के लिए कंबल जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई बाड़ों में हीटर और डीह्यूमिडिफायर (नमी कम करने वाले उपकरण) भी लगाए गए हैं।

सरीसृप घर के लिए, स्थिर तापमान बनाए रखने के लिए विशेष थर्मोरेगुलेशन (तापमान नियंत्रण) और आर्द्रता नियंत्रण प्रणालियां स्थापित की गई हैं। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि सर्दियों के लिए विशेष आहार में मौसमी सब्जियों, पोषक तत्वों की खुराक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों के अलावा, ज्यादातर मेवे (नट्स), गुड़ और गन्ना शामिल हैं। एक चिड़ियाघर के अधिकारी ने कहा, संवेदनशील प्रजातियों को ठंडी हवा के झोंकों से बचाने के लिए, चिड़ियाघर ने पक्षियों के बाड़ों और अन्य कमज़ोर हिस्सों में बाँस की जाफरी की फूस लगाई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जैसे-जैसे तापमान और गिरेगा, सुरक्षा की और परतें जोड़ी

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के महंगे हाई-स्ट्रीट रिटेल लोकेशनों की सूची में एक पायदान खिसककर 24वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के महंगे हाई-स्ट्रीट रिटेल लोकेशनों की सूची में एक पायदान खिसककर 24वें स्थान पर पहुंच गया है. कशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यहां का सालाना किराया 223 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। भारतीय रुपयों में यह 19500 रुपए प्रति वर्ग फुट है। पिछले साल यह मार्केट 23वें नंबर पर था। इसके बावजूद खान मार्केट देश का सबसे महंगा हाई-स्ट्रीट बना हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट दुनिया का सबसे महंगा रिटेल डेस्टिनेशन बन गया है, जहां किराया 2,231 डॉलर प्रति वर्ग फुट है. मिलान की वाया मोंटे नेपोलेओने दूसरे और न्यूयॉर्क की अपर 5 एवेन्यू तीसरे स्थान पर है। कशमैन एंड वेकफील्ड की 'मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2025' रिपोर्ट 138 प्रमुख रिटेल लोकेशनों के किरायों पर आधारित है। इस ग्लोबल इंडेक्स में हांगकांग का चिम सा चुई चौथे, पेरिस का शॉप्स-एलीजे पांचवें और टोक्यो का गिंजा छठे स्थान पर है। इस

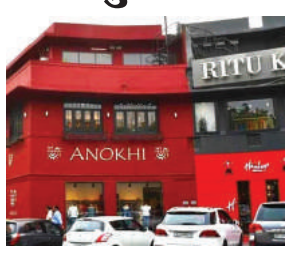

मामले पर बात रते हुए कंपनी के मुंबई और न्यू बिजनेस के एक्जिक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सराफ ने कहा कि भारत के हाई-स्ट्रीट लोकेशन तेजी से मजबूत हो रहे हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। खान मार्केट, कनॉट प्लेस और गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट जैसे स्थान अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांडों को आकर्षित कर रहे हैं। सीमित मॉल सप्लाई के बीच ये हाई-स्ट्रीट रिटेलरों के लिए रणनीतिक केंद्र बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के टियर-1 शहरों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेज रेंटल ग्रोथ दर्ज की गई है। गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट में किराया 25त्न बढ़ा, जबकि दिल्ली के कनॉट प्लेस में 14त्न और मुंबई के केम्प्स कॉर्नर में 10त्न की बढ़ोतरी हुई।

सर्वे पूरा, बजट पास हो गया, फिर कहां अटक गई एफएनजी योजना?

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट सिटी में फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) परियोजना का बजट पास होने और मंत्रियों के दावों के बावजूद सिरे नहीं चढ़ रही है। छह माह से मुख्यमंत्री कार्यालय में फाइल अटकी हुई है।

औद्योगिक नगरी से रोजाना करीब 50 हजार लोग नौकरी व अन्य कामों के लिए नोएडा-गाजियाबाद आवाजाही करते हैं। नोएडा और फरीदाबाद के बीच यमुना है। इस कारण दो राज्यों के बीच अभी कोई सीधी सड़क नहीं है। लोगों को सड़क मार्ग से कालिंदीकुंज होकर नोएडा जाना पड़ता है। यहां सुबह-शाम भारी जाम की समस्या रहती है। वहीं, दिल्ली की तरफ से नोएडा जाने पर घंटों ट्रैफिक में फंसना पड़ रहा है। मेट्रो से जाने पर करीब करीब डेढ़ घंटे का समय लगता है। एफएनजी परियोजना के सिरे चढ़ने पर दो राज्यों के बीच की दूरी कम होगी। एफएनजी परियोजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। इसे लेकर वर्ष 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों के साथ समीक्षा भी की थी। तब उन्होंने अधिकारियों को जल्द समस्त विवाद सुलझाने के आदेश दिए थे। दोनों राज्यों के बीच समन्वय नहीं बन पा रहा है। फरीदाबाद में यह परियोजना महज कागजों पर चल रही है। डीपीआर के अनुसार इस प्रोजेक्ट में यमुना पर 700 मीटर लंबा पुल बनेगा, जिसका आधा-आधा खर्च हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार करेगी। एक अप्रैल को हुई बैठक में शहरी विकास सलाहकार डीएस ढेसी ने कालिंदी कुंज जाम से निजात दिलाने के लिए एफएनजी परियोज ना को अत्यंत आवश्यक बताया था।

फिदायीन हमले को 'शहादत' बताने वाले आतंकी उमर नबी को असदुद्दीन ओवैसी का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बम धमाका करके अपने साथ 15 लोगों की जिंदगी छीनने वाला आतंकी उमर नबी बम बांधकर इस तरह किए जाने वाले फिदायीन हमलों को मजहब का सबसे अच्छा काम मनता था। उमर के फोन से निकले एक वीडियो में वह इसे इस्लाम में जायज ठहराने की कोशिश करता दिखा। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकी के कुतर्कों का जवाब देते हुए कहा कि यह इस्लाम में हराम है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका करके मासूम लोगों की जान लेने वाले आतंकी का मोबाइल फोन कश्मीर से बरामद किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और अपने भाई को एक फोन यह कहकर दे आया था कि यदि उसके बारे में कोई जानकारी आए तो इसे पानी में फेंक देना। अब पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर

फोन बरामद किया तो उसमें यह वीडियो सामने आया। वीडियो में उमर नबी फिदायीन हमले को जायज ठहराते हुए कहता है कि इसे गलत समझा जा रहा है और इसके खिलाफ कई तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन सुसाइड बॉम्बिंग शहादत का अभियान है जिसे इस्लाम में भी इसी रूप में बताया गया है।

ओवैसी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी उमर नबी का एक बिना तारीख वाला वीडियो आया है जिसमें वह सुसाइड बॉम्बिंग को शहादत और गलत समझा गया बताते हुए उचित ठहरा रहा है।

ओवैसी ने कहा, सुसाइड इस्लाम में हराम है और निर्दोष लोगों की हत्या बहुत बड़ा पाप है। इस तरह की हरकत कानून के भी खिलाफ है। इसे किसी भी तरह से गलत नहीं समझा गया है। यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है। एआईएमआईएम नेता ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से किए गए दावे का जिक्र करते हुए पूछा कि इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान अमित शाह ने संसद को भरोसा दिया कि पिछले छह महीने में कोई भी स्थानीय कश्मीरी आतंकवादी समूहों में शामिल नहीं हुआ। तब यह समूह कहां से आया? इस समूह का पता नहीं लगा पाए जाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

सऊदी क्राउन प्रिंस के अमेरिकी दौरे को लेकर मचा हंगामा? 9/11 से है इसका कनेक्शन

अबुधवावी/न्यूयार्क एजेंसी। व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के दौरे पर गहमागहमी मची है। जब वे ओवल ऑफिस में थे तो बाहर 9/11 हमलों में मारे गए लोगों के परिवार वाले गुस्से में चीख रहे थे।

इस हादसे के 23 साल बाद भी लोगों के मन में घाव आज भी ताजा हैं। पीड़ितों के परिजन प्रिंस की मौजूदगी से आगबबूला हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं, जबकि सलमान ने दावा किया कि 9/11 हमले असल में अमेरिका-सऊदी रिश्ते को तोड़ने की ओसामा बिन लादेन की साजिश थे।

प्रिंस का यह बयान उस वक्त आया जब वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रेस

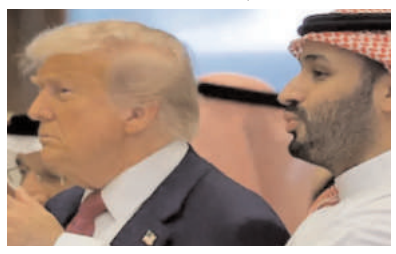

कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। दोनों नेताओं ने सिविलियन न्यूक्लियर डील और स्त्र-35 लड़ाकू विमानों की बिक्री का ऐलान किया था। लेकिन रिपोर्टरों ने प्रिंस को 9/11 और पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या पर घेर लिया।

मोहम्मद बिन सलमान ने साफ कहा, 'ओसामा बिन लादेन ने सऊदी लोगों का इस्तेमाल 9/11 हमलों में इसलिए किया था ताकि अमेरिका और सऊदी अरब के रिश्ते हमेशा के लिए टूट जाएं। उसका मकसद यही था। जो लोग आज भी इस हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराते हैं, वो अनजाने में लादेन का काम पूरा कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी पत्नी और मेरा परिवार भी अमेरिका में रहते हैं, हमें उन परिवारों का दर्द महसूस होता है। लेकिन हमें हकीकत को देखना होगा। ष्ट्ठ के दस्तावेज भी यही कहते हैं कि लादेन जानबूझकर सऊदी नागरिकों का इस्तेमाल कर रहा था ताकि दोनों देश एक-दूसरे से दूर हो जाएं। मजबूत अमेरिका-सऊदी रिश्ता आतंकवाद और चरमपंथ के लिए खतरा है, लादेन यह बात अच्छी तरह जानता था।'

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

8 साल पहले हुई थी महिला और बेटे की हत्या, लैपटॉप के जरिए हाथ आया कातिल?

वाशिंगटन, एजेंसी। आंध्र प्रदेश की महिला शशिकला नर्रा और उनके बेटे अनीश के न्यू जर्सी स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए जाने के 9 साल के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने एक भारतीय व्यक्ति पर आरोप लगाया है।

अभियोजकों ने बताया कि नजीर हमीद, न्यू जर्सी स्थित एक कंपनी में शशिकला नर्रा के पति का सहकर्मी था और पीड़ितों के घर से थोड़ी दूरी पर रहता था। हत्या के बाद हमीद भारत भाग गया।

कंपनी की ओर से जारी लैपटॉप से लिए गए डीएनए सैंपल का क्राइम सीन से लिए गए ब्लड सैंपल से मिलान होने के बाद, वह इस मामले में आरोपी पाया गया है। सैंपल मैच होने के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सैंपल मैच होने के बाद अधिकारियों ने एक संदिग्ध के खिलाफ हत्या और संबंधित अपराधों के आरोप दर्ज किए हैं और उसके अमेरिका प्रत्यर्पण की मांग कर रहे हैं। बर्लिंगटन काउंटी अभियोजक कार्यालय के जांच प्रमुख पैट्रिक थॉर्नटन ने मीडिया को बताया कि घटना के समय हमीद वीजा पर अमेरिका में काम कर रहा था। वह भारत लौट आया और तब से यहीं है।

23 मार्च, 2017 को, जब हनु नर्रा मेपल शेड स्थित फॉक्स मीडो अपार्टमेंट्स में अपने घर लौटे, तो उन्होंने अपनी 38 वर्षीय पत्नी शशिकला नर्रा और 6 वर्षीय बेटे अनीश को अपने अपार्टमेंट में मृत पाया। उन्हें कई बार चाकू मारा गया था। बाद में, पुलिस ने कहा कि उनके बचाव के घावों से पता चलता है कि उन्होंने दोनों ने जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश की थी।

जांचकर्ताओं ने अपराध स्थल से खून के कई नमूने इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान, पाया गया कि इकट्ठा की गई खून की बूंद न तो पीड़ित की थी और न ही हनु नर्रा की थी। नजीर हमीद इस मामले में तब चर्चा का विषय बन गए जब पुलिस को पता चला कि उन पर पहले हनु नर्रा का पीछा करने का आरोप था। उसके साथ वह कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजीज में काम करते थे। हमीद नर्रा परिवार से थोड़ी दूरी पर ही रहते थे।

हालांकि, संदिग्ध भारत वापस आने के बाद भी कॉग्निजेंट का कर्मचारी बना रहा। अधिकारियों का मानना है कि हामिद ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल अपने आपराधिक इतिहास को छिपाने और अपने पीछे पड़े लोगों को छुपाने के लिए किया।

इस मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने भारत में अधिकारियों से संपर्क किया और हमीद से डीएनए नमूना देने का अनुरोध किया। हालांकि, उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

डीएनए सैंपल हासिल करने के लिए अधिकारियों ने 2024 में एक अदालती आदेश मिला था।। इसमें कॉग्निजेंट से हमीद का कंपनी की ओर से दिए गए लैपटॉप भेजने का अनुरोध किया गया।

पुलिस ने बताया कि आखिरकार, लैपटॉप से एक डीएनए मिला। इसका डीएनए क्राइम सीन से मिली अज्ञात खून की बूंद से मेल खाता था। इससे हमीद का अपराध से संबंध स्थापित हो गया। जांचकर्ता अभी भी इस क्रूर हत्या के पीछे हमीद के कथित मकसद के बारे में अनिश्चित हैं। लेकिन, पुलिस ने कहा कि परिस्थितियों के आधार पर, वह हनु नर्रा से व्यक्तिगत दुश्मनी रखता था।

दिल्ली में इमरजेंसी जैसे हालात, जहरीली हवा बन रही जानलेवा! सौ में से 9 लोग बीमार

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स के चिकित्सकों ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को स्वास्थ्य आपातकाल करार देते हुए चेतावनी जारी की है। मंगलवार को राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 374 यानी बेहद खराब श्रेणी में रहा। एम्स के पल्मोनरी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ. अनंत मोहन ने कहा कि सांस के जिन पुराने मरीजों की बीमारी स्थिर थी वे बढ़ी हुई बीमारी के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। पहले जो खांसी महज तीन-चार दिन में ठीक हो जाती थी वह तीन-चार सप्ताह तक चल रही है। यह स्वास्थ्य आपातकाल जैसे हालात हैं।

डॉक्टर मोहन ने कहा कि प्रदूषण को जब तक सभी हेल्थ इमरजेंसी नहीं मानेंगे तब तक यह समस्या दूर नहीं होगी। उन्होंने कहा, हमें और कड़े कदम उठाने की जरूरत है। बीते कई दिनों से दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से 400 के बीच चल रहा है, जो बेहद खराब श्रेणी में है। सौ से नीचे एक्यूआई को ही स्वास्थ्य के लिए ठीक माना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दवाब बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडरन कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसरी है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह - स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह - बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

–विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विका का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

–टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेल क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गार्ड्स पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

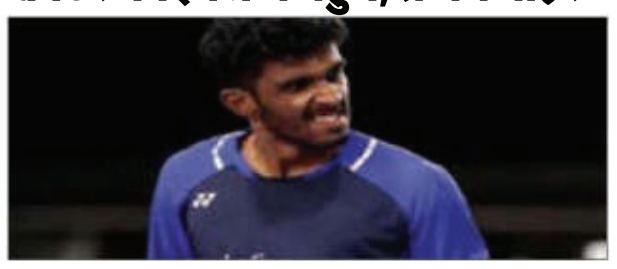

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष्ठ मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप ष्ठ में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं। कर्नाटक टीम - मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाय। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ़्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।'' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ़्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में [illegible]ने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन - स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था। दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' ' बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहींस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी। यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूँ, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूँ। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूँ और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूँ। यही मेरा काम है; विकेट लेना। वे मुझे इसी नज़र से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक ÷विलासिता÷ है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। ज़ाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूँगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहाँ वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मज़बूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकज्मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

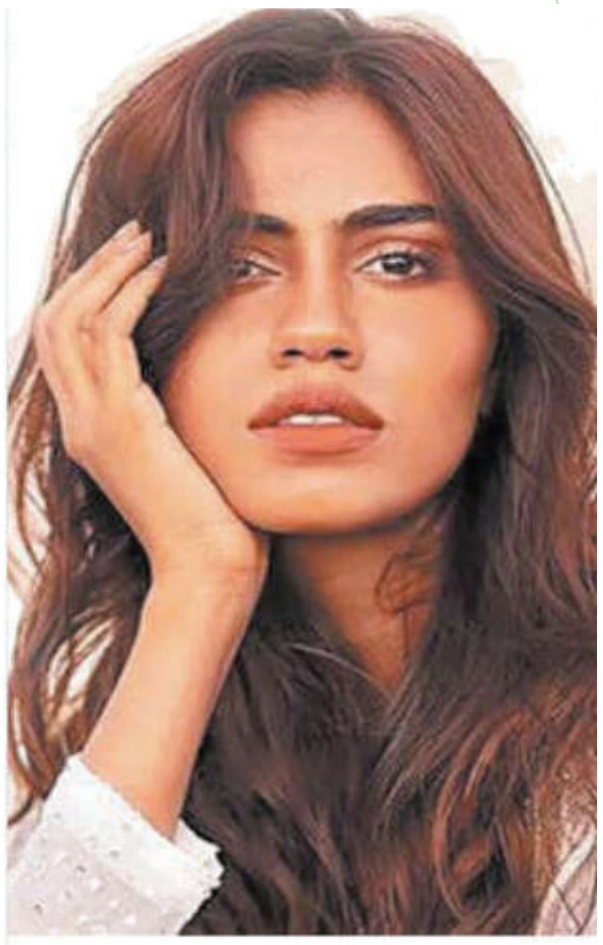

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म राहु-केतु के बारे में फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज़्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्रहकर्ताओं के बीच लोकप्रिय है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में टीटीपी के 15 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकियों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, 15 व 16 नवंबर को डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान में अभियान चलाए गए अभियान में 10 आतंकियों को ढेर किया गया, इसमें कुंजी सरगना आलम महसूद भी शामिल था। उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल क्षेत्र में पांच अन्य आतंकियों को मार गिराया गया। सभी विदेशी मदद से चल रहे नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा-बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है।

ताइवानी सीमा में फिर घुसे 13 विमान और सात युद्धपोत

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सीमा में 13 चीनी विमान और सात युद्धपोत देखे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से सात विमान मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु क्षेत्र में घुसे। इससे ठीक एक दिन पहले इसी तरह की 18 सैन्य गतिविधियां दर्ज की गई थीं। ताइवान ने कहा कि वह हालात की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका : ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फलस्तीनी शिविरों पर इस्राइली सेना ने ड्रोन से हमले किए, 11 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इस्राइली सेना ने हवाई हमला किया। इसमें 11 लोग मारे गए और चार घायल हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को ड्रोन हमला तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में किया गया। इस्राइली सेना ने ड्रोन से आइन अल-हिल्वे शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के वे शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब- राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

सैकड़ों नेता निर्वासन में, हजारों कार्यकर्ता जेल में : 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर

पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

'यूनुस सरकार जल्द गिरेगी : सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत से बड़ी अपेक्षाएं : 71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

'हसीना के बिना चुनाव नहीं' : तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा।

हसीना का संदेश: 'यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको' : अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

नसीम के अनुसार, उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था - यह फैसला असंवैधानिक है, और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नसीम ने कहा कि यदि शेख हसीना चुनाव लड़ने का आह्वान करें, और यदि प्रतिबंध हटे तथा प्रमुख नेताओं को रिहा किया जाए, तो अवामी लीग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन इसके लिए निष्पक्ष और समान अवसर वाला माहौल होना आवश्यक है। शेख हसीना के खिलाफ मौत की सजा ने न केवल राजनीतिक टकराव को गहरा कर दिया है, बल्कि दक्षिण एशिया की रणनीतिक स्थिरता के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़िता, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पर कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार को फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

ट्रंप के बेटे ने लगाया बड़ा आरोप- भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं। एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं

और भारतीय आबादी से भी नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं। एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज से भी जोड़ा मामला एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। राजनीतिक टकराव और समुदायों में हलचल एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है। ममदानी लंबे समय से प्रगतिशील राजनीति का हिस्सा रहे हैं और भारतीय व आप्रवासी समुदायों में लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। हालांकि ममदानी की ओर से एरिक ट्रंप के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है।

'भारतीय महिला को परेशान करना बंद करे', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी। तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर

लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्हें इस योजना की जानकारी है, क्योंकि विटकॉफ ने इस पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तेम उमेरोव के साथ भी इस हफ्ते चर्चा की। वहीं, अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने इस योजना के बारे में यूरोपीय अधिकारियों को भी जानकारी देना शुरू कर दिया है। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप अलास्का में रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर बैठक के बाद यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मां बांग्लादेश न छोड़तीं तों... : शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे। अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।'

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल : शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है।

अमेरिका से दबाव के सवाल पर क्या बोले सजीब : अमेरिकी सरकार की

ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं।'

'यूनुस की अंतरिम सरकार के पास बिल्कुल समर्थन नहीं': सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2% वोट हासिल कर रही है। उनकी लोकप्रियता कभी भी 2% से ऊपर नहीं गई। यूनुस और छात्रों की पार्टी की लोकप्रियता लगभग न के बराबर है। इसलिए वे बिना चुनाव के सत्ता में बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की रही है। हमने चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखे। यूनुस सरकार चीन के और करीब आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चीन की कई राजकीय यात्राएं की हैं। यहां तक कि हमारी विपक्षी पार्टी, बीएनपी, भी चीन से सीधे संपर्क साध रही है। हमारे लिए, बेल्ट एंड रोड पहल बस परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com